ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय
रायपुर

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-02-2022

नारायणपुर(छत्तीसगढ़) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-02-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-02-02	2022-02-03	2022-02-04	2022-02-05	2022-02-06
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	31.0	30.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	10.0	11.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	90	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3.0	2.0	6.0	5.0	3.0
पवन दिशा (डिग्री)	288	191	199	240	75
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान नारायणपुर जिले में मौसम शुष्क एवं आसमान साफ़ रहने की संभावना है । अधिकतम तापमान 28.0 से 31.0 oC एवं न्यूनतम तापमान 10.0 से 11.0 oC के आस-पास रहने की संभावना है । इस दौरान हवा में सुबह 85 से 90 % और शाम के समय 30 से 35 % आर्द्रता रहने की संभावना है । मुख्यतः दक्षिण-पश्चिम दिशा से लगभग 2 से 6 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती है ।

सामान्य सलाहकार:

ग्रीष्मकालीन कद्दूवर्गीय सब्जियों जैसे लौकी, कद्दू, तरबूज, खरबूज और ककड़ी की खेती के लिए, मिट्टी और गोबर खाद से भरे हुए पॉलीथीन बैग में बीज बोएं और इसे गर्म स्थान पर रखें.

लघु संदेश सलाहकार:

आम में जहाँ पर बौर आना प्रारंभ हो गया है वहां 50 प्रतिशत बौर आने पर 15 दिन के अंतराल में सिंचाई करें, लगातार पानी देने से बौर पत्तियों में परिवर्तित हो जातें है.

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
बकरा	As per advice of Veterinary Physician, these animals, they should be fed with wormicides .

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशुओं को पीने के लिए पर्याप्त पानी दें तथा अत्यधिक ठंडा पानी पीने न दें.
गाय	रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया और ब्लैक क्वार्टर से बचाव के लिए मवेशियों का टीकाकरण करवाएं.

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	कद्दुवर्गीय सब्जियों में फल सड़न एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्ज़िल+ मेन्कोजेब की 2.5 ग्राम मात्रा या कॉपर ओक्सीक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.
पौध - संरक्षण	वातावरण में अधिक नमी के कारण आलू में अगेती झुलसा के प्रकोप की सम्भावना है, लक्षण दिखाई देने पर मेटालेक्जिल (8%)+मेंकोजेब (6.4%) की 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से 10 से 15 दिन के अंतराल 2 से 3 छिडकाव करें.